नीतू कुमारी , वर्ग -पंचम, विषय- हिंदी, दिनांक-10-05-2021

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित पाठ-3 कदम का पेड़ (कविता)

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में आपको कविता पाठ करना है जो कि इस प्रकार है-

यह कदम का पेड़, अगर मा, होता यमुना- तीरे,
मैं भी उस पर बैठ कन्हैया बनता धीरे-धीरे।
ले देती यदि मुझे बांसुरी तुम दो पैसे वाली,
किस तरह नीचे हो जाती यह कदम की डाली।

तुम्हें नहीं कुछ कहता पर मैं चुपके- चुपके आता,
उस नीची डाली से अम्मा, ऊंचे पर चढ़ जाता ।
वहीं बैठे फिर बड़े मजे से मैं बांसुरी बजाता,
अम्मा- अम्मा का बंसी के स्वर में तुम्हें बुलाता ।

सुन मेरी बंसी को मां तुम इतनी खुश हो जाती,
मुझे देखने काम छोड़ कर, बाहर तक तुम आती
तुमको आता देख बांसुरी रखने चुप हो जाता,
पत्तों में छिपकर धीरे- से फिर बांसुरी बजाता।

आज के लिए इतना ही शेष अगली कक्षा में।

दिए, गए कविता को याद करें।